2019

(3rd Semester)

HINDI

(Modern Indian Language)

Paper No. : HIN (MIL)–301

Full Marks : 70 *Pass Marks* : 45%

Time : 3 hours

(PART : B—DESCRIPTIVE)

(*Marks* : 45)

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 9×2=18

(क) दुख में सुमिरन सब करै, सुख में करै न कोय।
जो सुख में सुमिरन करै, तो दुख काहे होय॥

अथवा

पर पीड़ा से पूर-पूर हो
थक-थककर औ, चूर-चूर हो
अमल-धवल गिरि के शिखरों पर
प्रियवर, तुम कबतक सोये थे?
रोया यक्ष कि तुम रोये थे?
कालिदास, सच-सच बतलाना।

(ख) उन्होंने कहा—"हमने तै कर लिया है। हम अमीर तैमूर की औलाद हैं। हमारे बुजुर्गों ने जो कुछ कह दिया, वही होगा। उन्होंने तंबू के नीचे की जगह फिरंगियों को बख्श दी थी। अब अगर दिल्ली भी उस तंबू के नीचे आ रही है, तो आवे।"

अथवा

जातियाँ इस देश में अनेक आई हैं। लड़ती-झगड़ती भी रही हैं, फिर प्रेमपूर्वक बस भी गई हैं। सभ्यता की नाना-सीढ़ियों पर खड़ी और नाना ओर मुख करके चलनेवाली इन जातियों के लिए सामान्य धर्म खोज निकालना कोई सहज बात नहीं थी। भारतवर्ष के ऋषियों ने अनेक प्रकार से, अनेक ओर से इस समस्या को सुलझाने की कोशिश की थी।

2. 'नये वर्ष के शुभ संकल्प' निबंध की समीक्षा कीजिए। 9

अथवा

'नमक का दरोगा' कहानी के आधार पर मुंशी वंशीधर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. 'भ्रमर गीत' का भावार्थ अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। 9

अथवा

भवानी प्रसाद मिश्र द्वारा रचित 'गीत-फरोश' कविता पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित अवतरण का उपयुक्त शीर्षक के साथ संक्षेपण कीजिए : 9

तीव्र बुद्धि किसी की बपौती नहीं होती है। ईश्वर ने सबको समान बुद्धि दी है। जो जितना अभ्यास करता है, उतनी ही उसकी बुद्धि प्रखर होती है। वह उतना ही समझदार बनता है। जिस प्रकार लोहे का या किसी धातु का बर्तन बिना माँजे अपनी महत्ता दिखाने में असमर्थ है, उसी प्रकार बुद्धि को प्रखर करने के लिए उसे घिसकर अभ्यस्त करना होता है तभी हमारे लिए सफलता के सारे द्वार खुलते नजर आते हैं। किसी भी कार्य को बिना अभ्यास के नहीं किया जा सकता और कोई भी ऐसा कार्य नहीं, जो हम अभ्यास करने पर सीख न सकें।

* * *

2019

(3rd Semester)

HINDI

(Modern Indian Language)

Paper No. : HIN (MIL)–301

(PART : A—OBJECTIVE)

(*Marks* : 25)

The figures in the margin indicate full marks for the questions

SECTION—I

(*Marks* : 5)

निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प के सामने सही (✓) का चिह्न लगाइए : 1×5=5

1. 'विनय-पत्रिका' के रचनाकार कौन हैं?

(क) गोस्वामी तुलसीदास ( )

(ख) कबीरदास ( )

(ग) सूरदास ( )

2. "जी, माल देखिए, दाम बताऊँगा।" यह पंक्ति किस कविता से ली गई है?

(क) कालिदास ( )

(ख) गीत-फरोश ( )

(ग) भ्रमरगीत ( )

3. "जानते हो, ये अस्त्र-शस्त्र क्यों बढ़ रहे हैं? ये हमारी पशुता की निशानी है।" ये पंक्तियाँ कहाँ से ली गई हैं?

(क) नये वर्ष के शुभ संकल्प ( )

(ख) रज़िया ( )

(ग) नाखून क्यों बढ़ते हैं? ( )

4. 'मुगलों ने सल्तनत बख्श दी' के कहानीकार कौन हैं?

(क) रामकुमार वर्मा ( )

(ख) भगवतीचरण वर्मा ( )

(ग) वृंदावनलाल वर्मा ( )

5. ब्रजभूषण लाल त्रिपाठी किस नाम से कविता करते थे?

(क) निश्चल ( )

(ख) मृदुल ( )

(ग) भावुक ( )

SECTION—II

(*Marks* : 10)

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×5= 10

1. 'पतित पावन राम नाम सो न दूसरों' का भाव बहुत थोड़े में लिखिए।

2. 'इन्द्री सिथिल' किसके बिना तथा क्यों होती है?

3. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' के आधार पर हमारे दीर्घकालीन संस्कारों का क्या क्या है?

4. 'माली आवत देखि कै, कलियन करी पुकारि' में कबीर क्या कहना चाहते हैं?

5. 'धूम समूह निरखि चातक ज्यों तृषित जानि मति घन की' का भाव स्पष्ट कीजिए।

6. शाहंशाह ने फिरंगी डॉक्टर को इनाम में क्या दिया?

7. पं० अलोपीदीन लक्ष्मी जी के विषय में क्या कहते हैं?

SECTION—III

(*Marks* : 10)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** शब्दों के विलोम शब्द लिखिए : ½×4=2

प्रशंसा ; प्रस्थान ; स्थूल ; जीवन ; अग्रज ; प्रेम ; सापेक्ष

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1×3=3

फूल ; दिन ; अग्नि ; पक्षी ; मार्ग ; भवन

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** मुहावरों के वाक्य-प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट कीजिए : 1×3=3

आँखें चार होना ; अपने पैरों पर खड़ा होना ; लोहा मानना ; कान भरना ; ऊँची दूकान फीके पकवान ; आगे नाथ न पीछे पगहा

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए : 1×2=2

अति ; परि ; अनु ; प्रति

★★★